

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

पीएम मोदी सोशल मीडिया पर नंबर-1, मंत्रियों का डिजिटल रिपोर्ट कार्ड जारी

कैबिनेट में हुई सोशल मीडिया परफॉर्मेंस की समीक्षा, पोस्ट से लेकर जनता के जुड़ाव तक कई पैमानों पर हुआ मूल्यांकन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार में अब मंत्रियों के कामकाज का रिपोर्ट कार्ड सिर्फ मंत्रालयों की उपलब्धियों तक सीमित नहीं है। सोशल मीडिया पर उनकी सक्रियता और जनता से डिजिटल जुड़ाव भी प्रदर्शन का पैमाना बन गया है। बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में मंत्रियों की सोशल मीडिया गतिविधियों की समीक्षा कर तैयार की गई डिजिटल रिपोर्ट कार्ड पेश की गई। सूत्रों के मुताबिक, इस समग्र आकलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले स्थान पर रहे।

इस समीक्षा में 1 मई से 15 अगस्त 2026 तक की सोशल मीडिया गतिविधियों को आधार



बनाया गया। इंस्टाग्राम, एक्स और फेसबुक पर मंत्रियों की रोजाना सक्रियता, कुल पोस्ट, कुल और औसत लाइक, पोस्ट पर मिलने वाला जुड़ाव, कुल अनुयायी तथा जनता की प्रतिक्रिया जैसे कई मानकों को रैंकिंग में शामिल किया गया। खास बात यह रही कि आकलन केवल अनुयायियों की संख्या के आधार पर नहीं किया गया, बल्कि यह भी देखा गया कि संबंधित नेता की पोस्ट पर लोगों की वास्तविक प्रतिक्रिया और संवाद कितना है।

सूत्रों के अनुसार, इस रैंकिंग में प्रधानमंत्री मोदी सबसे ऊपर रहे, जबकि अन्य मंत्रियों की व्यक्तिगत रैंकिंग उन्हें अलग-अलग बताई गई है। पूरी सूची सार्वजनिक नहीं की गई है। रिपोर्ट

सामने आने के बाद मंत्रियों को सोशल मीडिया पर अपनी सक्रियता और बढ़ाने तथा केवल सरकारी सूचनाएं साझा करने के बजाय जनता से सीधे संवाद और सार्थक जुड़ाव बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। दरअसल, डिजिटल राजनीति का महत्व लगातार बढ़ रहा है। अब सरकार की योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ यह भी देखा जा रहा है कि नेता जनता तक कितनी तेजी से पहुंच रहे हैं और उनके संदेश पर कैसी प्रतिक्रिया मिल रही है। यानी अब मंत्री की फाइल के साथ उसकी सोशल मीडिया टाइमलाइन भी उसका रिपोर्ट कार्ड तय करेगी।

मॉस्को में शुरू हुआ 'इंडिया डे फेस्टिवल', मोहन भागवत के दौरे से पहले यूएससीआईआरएफ सख्त भारतीय संस्कृति की दिखी झलक

मॉस्को। रूस की राजधानी मॉस्को में 'इंडिया डे फेस्टिवल' की शुरुआत हो गई है। आयोजन में भारतीय संस्कृति, कला, परंपरा और विविधता को प्रदर्शित किया जा रहा है।

रूस में भारत की सांस्कृतिक पहचान और दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों को रेखांकित करने वाले इस आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है।

उत्सव के दौरान भारतीय संगीत, नृत्य, हस्तशिल्प, खान-पान और पारंपरिक कलाओं से जुड़ी प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। अलग-अलग क्षेत्रों की भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं को एक मंच पर प्रस्तुत करने की कोशिश की गई है, जिससे रूस के लोगों को भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत को करीब से जानने का अवसर मिल रहा है।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के प्रस्तावित अमेरिका दौरे से पहले संघ को लेकर अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग की टिप्पणियों ने नया विवाद खड़ा कर दिया है।

अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के अधिकारियों ने आरएसएस के खिलाफ प्रतिबंधों पर विचार करने और उसके नेताओं को उच्चस्तरीय बैठकों तथा राजनयिक शिष्टाचार से दूर रखने की मांग की है।

यह मामला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भागवत 29 अगस्त को न्यूयॉर्क में 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' कार्यक्रम में भारतीय-अमेरिकी समुदाय को संबोधित करने वाले हैं। यह आयोजन आरएसएस के शताब्दी वर्ष में विदेशों में संपर्क बढ़ाने की कवायद का हिस्सा है। यूएससीआईआरएफ के आयुक्त जीन मिल्स ने आरएसएस से जुड़े संगठनों पर धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमलों के आरोपों का हवाला देते हुए प्रतिबंध लगाने की बात कही। उन्होंने यह भी कहा

कि आरएसएस नेताओं को उच्चस्तरीय मुलाकातों या राजनयिक सुविधाओं से सम्मानित नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, ये यूएससीआईआरएफ की सिफारिशें और टिप्पणियां हैं, अमेरिकी सरकार द्वारा आरएसएस पर लगाया गया प्रतिबंध नहीं। भारत पहले भी यूएससीआईआरएफ की भारत संबंधी रिपोर्ट और आकलनों को खारिज कर चुका है। भारतीय पक्ष ने आयोग पर भारत की स्थिति का चयनात्मक और विकृत चित्र प्रस्तुत करने का आरोप लगाया है।

गोस्वामी तुलसीदास जयंती पर विशेष आयोजन, सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला को मिला 'तुलसी सम्मान'

सह संपादक अनिल चौधरी

गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती के पावन अवसर पर श्री तुलसीदास सरयू पारीण ब्राह्मण समाज समिति, इंदौर द्वारा बुधवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला को उनकी विशिष्ट सेवाओं एवं योगदान के लिए 'तुलसी सम्मान' से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस के माध्यम से भारतीय संस्कृति, संस्कार, मर्यादा और आदर्श जीवन मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनकी रचनाएं आज भी समाज को धर्म, कर्तव्य और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। उनकी अमर कृति रामचरितमानस के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम आज हिंदू समाज के जन-जन के रोम-रोम में बसे हुए हैं। इस अवसर पर अधिवक्ता विनोद कुमार द्विवेदी ने



कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी भारतीय संस्कृति, धर्म, मर्यादा, भक्ति और मानवीय मूल्यों के महान संवाहक थे। उनकी कालजयी रचनाओं ने भारतीय समाज को सदियों से संस्कार, सद्भाव, सेवा और

मर्यादा का संदेश दिया है। तुलसीदास जयंती पर आयोजित यह कार्यक्रम समाज की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम के दौरान

पी.पी. शुक्ला, शिवाकांत पांडेय, विनय मिश्रा, ज्योतिर्विज्ञ रामकृष्ण तिवारी, शिक्षाविद् विनायक पांडेय, अधिवक्ता विकास भारद्वाज, रोहित सहित वरिष्ठ अधिवक्ता विनोद द्विवेदी का भी सम्मान



किया गया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष सुभाष दुबे, सचिव राजा तिवारी, उपाध्यक्ष शंभूनाथ मिश्र, लालजी तिवारी, राजकुमार पाण्डेय, जमुना पांडेय, रेखा तिवारी और शिवेंद्र तिवारी सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

कोतवाली पुलिस नेतृत्व तत्परता दिखाते हुए चंद घंटों में मासूम को सकुशल खोज निकाला, माता-पिता को सौंपा

नवल किशोर कुशवाहा

कटनी। आगामी रक्षाबंधन पर्व को लेकर कटनी शहर के बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ बढ़ने लगी है। इसी दौरान कटनी बाजार में खरीदारी करने आए एक परिवार का 03 वर्षीय मासूम बालक अचानक भीड़ के बीच से लापता हो गया। परिजनों द्वारा काफी तलाश करने के बावजूद बालक का कोई पता नहीं चलने पर परिवार में घबराहट का माहौल निर्मित हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले की सीमा से लगे ग्राम झुकेही, थाना अमदरा, जिला मैहर निवासी सूर्य प्रताप सिंह अपनी पत्नी एवं 03 वर्षीय पुत्र शौर्य सिंह के साथ रक्षाबंधन की खरीदारी करने कटनी बाजार आए थे। बाजार में अत्यधिक भीड़ होने के कारण खरीदारी के दौरान उनका मासूम बालक खेलते-खेलते अचानक उनकी नजरों से ओझल हो गया। कुछ समय बाद जब परिजनों ने आसपास बालक को आवाज लगाकर तलाश किया, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। मासूम के अचानक लापता होने से परिजन बेहद परेशान हो गए। घटना की सूचना आसपास मौजूद लोगों द्वारा तत्काल थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राखी पाण्डेय को दी



गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी द्वारा बिना समय गंवाए बालक की फोटो पुलिस स्टाफ एवं थाना ग्रुप में प्रसारित कर सभी पुलिसकर्मियों को बाजार क्षेत्र में बालक की तलाश के लिए रवाना किया गया। पुलिस टीम द्वारा बालक की फोटो के आधार पर बाजार के विभिन्न स्थानों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों एवं आसपास के मार्गों पर सघन तलाश प्रारंभ की गई। कोतवाली पुलिस की तत्परता एवं समन्वित

प्रयासों का परिणाम रहा कि चंद घंटों के भीतर पुलिस टीम ने मासूम शौर्य सिंह को सकुशल खोज निकाला। बालक के सुरक्षित मिलने की सूचना तत्काल उसके पिता सूर्य प्रताप सिंह को फोन के माध्यम से दी गई तथा उन्हें थाना कोतवाली बुलाया गया। सूचना मिलते ही बालक के माता-पिता थाना कोतवाली पहुंचे, जहां आवश्यक औपचारिकता पूर्ण करने के उपरांत मासूम शौर्य सिंह को सकुशल

उसके माता-पिता के सुपुर्द किया गया। अपने मासूम बच्चे को सकुशल पाकर माता-पिता की आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े। उन्होंने कोतवाली पुलिस द्वारा दिखाई गई त्वरित तत्परता, संवेदनशीलता एवं सक्रियता की प्रशंसा करते हुए पुलिस विभाग का हृदय से आभार व्यक्त किया।

पुलिस कार्यवाही में विशेष भूमिका-

पुलिस अधीक्षक श्री अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमल मोर्य के मार्गदर्शन में तथा थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राखी पाण्डेय के नेतृत्व में उनि. कुलदीप सिंह, महिला प्र.आर. रीता सिंह, आर. अमित सिंह, मंसूर हुसैन, मोहन मण्डलोई, दिनेश सेन, अजीत सिंह एवं एनआरएस सदस्य निधि चौरसिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कोतवाली पुलिस की अपील-

त्योहारों के दौरान बाजारों में अत्यधिक भीड़ रहती है। पुलिस द्वारा आमजन से अपील की जाती है कि छोटे बच्चों को बाजार अथवा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अकेला न छोड़ें तथा उनकी गतिविधियों पर विशेष नजर रखें। किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल पुलिस थाने को सूचना दें।

ई-विकास 2.0 लागू- किसानों को अब खाद खरीदना होगा और आसान, प्रक्रिया पारदर्शी बनाई गई

किसान संगठनों और विक्रेताओं के सुझावों के आधार पर प्रणाली में किए गए अहम सुधार

चीफ हेमंत भार्गव
शिवपुरी/ मध्यप्रदेश शासन द्वारा उर्वरक वितरण प्रणाली ई-विकास को और अधिक सरल और किसान हितैषी बनाने के उद्देश्य से ई-विकास 2.0 लागू किया गया है। किसान संगठनों, उर्वरक विक्रेताओं और अन्य संबंधित लोगों के सुझावों के आधार पर इस प्रणाली में कई जरूरी बदलाव और नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं। इससे किसानों को अपनी आवश्यकता के अनुरूप उर्वरक प्राप्त करने में सुविधा होगी तथा पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और तकनीक का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित होगा।

अब मनपसंद खाद बिना किसी बाध्यता के खरीद सकेंगे किसान-ई-विकास 2.0 में किसान अब अपनी जरूरत के हिसाब से कोई भी एक उर्वरक बिना किसी अनिवार्य संयोजन के खरीद सकेंगे। आईसीएआर की फसलवार सिफारिश के अनुसार या उससे अधिक मात्रा में खाद पहली बार में ही लेने की सुविधा दी गई है। अतिरिक्त खाद लेने के लिए पहले 50 शब्दों में कारण लिखना पड़ता था, अब इसकी जगह ड्रॉपडाउन से कारण चुनने की आसान सुविधा दी गई है। साथ ही पोर्टल पर फसलवार आईसीएआर



अनुशंसा के अनुसार विभिन्न उर्वरक समूहों की जानकारी प्रदर्शित की जा रही है, जिससे किसान अपनी आवश्यकता के अनुसार उर्वरक समूह का चयन कर सकेंगे।

टोकन व्यवस्था में भी हुए बड़े बदलाव-उर्वरक की गणना अब प्रति हेक्टेयर बैग के आधार पर की जाएगी। किसान टोकन जनरेट करने के 24 घंटे बाद उसे रद्द भी कर सकेंगे। फसल खराब होने की स्थिति में किसान द्वारा पुनः उर्वरक की मांग करने के लिए एक्स्पेशनल हैंडलिंग की सुविधा दी गई है। ऐसे प्रकरणों का तहसीलदार अथवा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा 48 घंटे के भीतर अनुमोदन किया जाएगा।

खाद की उपलब्धता बढ़ाने के लिए किए गए इंतजाम-मार्कफेड के डबल लॉक केंद्रों पर अब जरूरत के हिसाब से प्रतिदिन 300 से अधिक टोकन

जनरेट करने की क्षमता बढ़ाई जा सकेगी। इन केंद्रों में अधिक से अधिक उर्वरक भंडारण के लिए ऑटोमेटेड प्रणाली विकसित की जा रही है जिससे खाद की कमी न हो।

व्हाट्सएप से भी मिलेगी टोकन की सुविधा-जल्द ही व्हाट्सएप बॉट के माध्यम से टोकन जनरेट करने की सुविधा उपलब्ध होगी। किसान व्हाट्सएप पर हेल्प या मदद लिखकर टोकन, रिटेलर, उर्वरक, उठाव तिथि और टोकन की वैधता से जुड़ी सभी जरूरी जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगे।

समस्या होने पर इस नंबर पर करें संपर्क- ई-विकास प्रणाली से जुड़ी किसी भी समस्या के लिए किसान हेल्पलाइन नंबर \$91 78802 23344 पर हर शासकीय कार्य दिवस में सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक संपर्क कर सकते हैं।

महापौर श्रीमती सूरि ने किया कटारये घाट का निरीक्षण

चालीहा पर्व को दृष्टिगत रखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा और स्वच्छता को लेकर दिए आवश्यक निर्देश नदी-घाटों को स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त रखने नागरिकों से सहयोग की अपील



नवल किशोर

कटनी। चालीहा पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा एवं घाटों पर बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरि ने कटारये घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने घाट परिसर सहित आसपास के क्षेत्रों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को पर्व के दौरान आवश्यक व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती सूरि ने कहा कि चालीहा पर्व आस्था और श्रद्धा से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। पर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के घाट पर पहुंचने की संभावना को देखते हुए घाट परिसर में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने, कचरे का तत्काल उठाव कराने तथा पूरे क्षेत्र को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। साथ ही प्रकाश व्यवस्था की जांच कर आवश्यकतानुसार अतिरिक्त प्रकाश की व्यवस्था करने के लिए भी कहा, जिससे पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम वातावरण मिल सके।

नदियां जीवनदायिनी, स्वच्छ रखना हम सभी की जिम्मेदारी-निरीक्षण के दौरान महापौर श्रीमती सूरि ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि नदियां हमारे लिए जीवनदायिनी हैं। इन्हें स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त रखना केवल नगर निगम की नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि घाट एवं नदी में किसी भी प्रकार का कचरा न डालें तथा स्वच्छता बनाए रखने में नगर निगम का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि पर्व-त्योहार हमारी आस्था और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा हैं, इसलिए धार्मिक स्थलों एवं घाटों की स्वच्छता बनाए रखना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी भी है। नगर निगम द्वारा पर्व को लेकर आवश्यक व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जाएगी। निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य सर्वश्री सुभाष साहू, डॉ. रमेश सोनी, जयनारायण निषाद, सुमन राजू माखीजा, पार्षद श्रीमती वंदना राजकिशोर यादव, पूर्व पार्षद राजकुमार माखीजा सहित नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

व्यक्तित्व में त्रिगुणों (सत-रज-तम) को संतुलित करता है सहजयोग

हमारा सामान्य गृहस्थ जीवन यापन करते समय हम देखते हैं कि सारा संसार त्रिगुणों से आवृत है। ये तीन गुण सत्व, रज और तम हैं। पंच महाभूतों से बने हुए हमारे शरीर में ये तीन गुण अपना खेल खेलते रहते हैं। जब हमें प्रसन्नता और आनंद होता है, तब हम सभी के अंदर के अच्छे गुणों की ओर आकृष्ट होते हैं, हमें लगता है कि हम भी जीवन में कुछ अच्छा करें, हमारे साथ-साथ अपने माता-पिता और समाज का भी कल्याण करें। हमारे जीवन की जो भी समस्याएं हैं उन सभी समस्याओं से छुटकारा पाने की पूरी शक्ति हमारे अंदर से आती है। अगर ऐसा व्यक्तित्व आपके अंदर है तो समझ जाइए आप सतोगुण से आवृत है। इसके सिवा जो रजोगुणी व्यक्तित्व होते हैं वे अति- महत्वाकांक्षी होते हैं, और दूसरों को नीचा दिखाना, किसी से बुरी तरह बात करना, ये सभी रजोगुणी व्यक्तित्व के लक्षण हैं। तमोगुणी व्यक्ति सदैव भूतकाल की पिछली बातों के बारे में सोचता रहता है। कोई भी व्यक्ति जो उदासीन है, उसे तमोगुणी कहा जाएगा।

प. पू श्री माताजी प्रणिता सहजयोग एक ऐसी ध्यान प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से आप



जान जाते हैं कि आप कौन से गुणों से आवृत हैं। सहजयोग में जब साधक को आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है तो तमो गुणी साधक जो इड़ा-नाड़ी प्रधान है वो अपनी इड़ा नाड़ी को नियमित ध्यान

और पंच भौतिक उपचार जैसे की अग्नि तत्व का उपचार कर स्वयं को मध्य में अर्थात् सतोगुण की द्योतक सुषुम्ना पर स्थित कर सकता है, वैसे ही रजोगुणी व्यक्ति भी जान जाता है कि सूर्य नाड़ी

को जल पैर प्रक्रिया और आईस पैक जैसे नैसर्गिक उपचार कर संतुलित कैसे किया जाय। हम सभी जीवन में अनेक दुःखों का सामना कर रहे हैं, इसका कारण है अज्ञान, हमारे आत्मस्वरूप का अज्ञान। आत्मसाक्षात्कार हमें आत्मपरीक्षण कर आध्यात्म की राह दिखाता है, इसे वह प्रत्येक व्यक्ति पा सकता है जो सत्य के प्रति जिज्ञासु है। सहजयोग ध्यान में श्री माताजी के समक्ष आप स्वयं आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर संतुलन को तो प्राप्त करते ही हैं साथ ही नियमित अभ्यास द्वारा अन्य लोगों को आत्मसाक्षात्कार प्रदान करने योग्य भी बन जाते हैं। आत्म परीक्षण द्वारा स्वयं को संतुलित करने का ज्ञान हमें स्वयं का गुरु होने की शक्ति प्रदान करता है। सहजयोग अनुभव द्वारा ज्ञान प्राप्त करने की सनातन ऋषि परंपरा की ध्यान आधारित वैज्ञानिक पद्धति है। ध्यान न तो किसी शारीरिक सक्रियता से संभव है न ही निष्क्रियता से। ध्यान सजग निर्विचार चेतना है जो अत्यंत शक्तिशाली है। ध्यान की इसी अवस्था को प्राप्त करने हेतु अपने नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से या वेबसाइट sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

ग्राम पंचायतों की विकास योजनाओं में पारदर्शिता...की शपथ के साथ जिला स्तरीय “पंच सम्मेलन” हुआ संपन्न, व्हीबी-जी राम जी अधिनियम के नियमों और प्रावधानों की दी गई जानकारी



नवल किशोर कुशवाहा

ग्राम का विकास प्लान तैयार कर जल संरक्षण के कार्यों को प्राथमिकता से कराएं - विधायक बड़वारा श्री सिंह सामुदायिक सहभागिता से दूरगामी सोच और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर निर्माण एवं विकास कार्य कराएं - श्री टंडन उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए ग्राम की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुसार विकास योजना तैयार करें- जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर

कटनी । विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 2025 (VB-G RAM G) के अंतर्गत आयोजित पंच सम्मेलन बस स्टैंड कटनी स्थित ऑडिटोरियम में जनप्रतिनिधियों की अच्छी खासी मौजूदगी में संपन्न हुआ। इसके पूर्व मां वीणापाणी की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलन और पुष्पमाला अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ बड़वारा विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह और भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक सोनी टंडन ने जिला पंचायत सदस्य सर्व अजय गोठिया, कविता पंकज

राय, प्रेमलाल केवट, जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर, बहोरीबंद जनपद अध्यक्ष लाल कमल बंसल, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनुराग मोदी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मौजूदगी में किया। विधायक बड़वारा श्री सिंह ने अपने उद्बोधन में ग्राम का विकास प्लान तैयार करते हुए जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों और वृक्षारोपण कार्य को प्राथमिकता से कराए जाने को कहा। वहीं भाजपा के जिला अध्यक्ष श्री दीपक सोनी टंडन ने जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप एक अच्छे जनसेवक की भूमिका में है दूरगामी सोच के साथ भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कार्य योजना तैयार करें और उसे पर अमल करें। जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर ने जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्यों, सरपंच और पंचों को विशेष रूप से संबोधित करते हुए कहा कि व्हीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत 1 जुलाई 2026 से प्रभावशील अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उद्देश्यों, प्रमुख अवधारणाएं, नियमों, प्रावधानों और प्रक्रिया के संबंध प्रस्तावना रखकर जानकारी दी। उन्होंने साफगोई के साथ कहा कि ग्राम की वास्तविक

आवश्यकताओं, उपलब्ध साधन और संसाधन के अनुसार कार्य योजना बनाएं। जनप्रतिनिधियों से कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं एवं योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के संबंध में सुझाव लिए गए। उन्होंने ग्राम पंचायत लखापतेरी, मड़ई और अन्य सरपंच गण द्वारा किए गए प्रश्नों और जिज्ञासाओं का समुचित समाधान किया। इस दौरान वीडियो फिल्म के माध्यम से जनप्रतिनिधियों को विस्तार से गहन जानकारी उपलब्ध कराई गई। जिला पंचायत के वरिष्ठ सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य संघ के प्रदेश अध्यक्ष सर्व श्री अजय गोठिया ने व्हीबी-जी राम जी योजना से होने वाले लाभ को बताया। श्रीमती कविता पंकज राय ने भी योजना के संबंध में अपने विचार रखे। जनपद पंचायत बहोरीबंद के अध्यक्ष लालकमल बंसल ने मैदानी स्तर पर क्रियान्वयन के दौरान होने वाली कठिनाइयों और गतिविधियों के संबंध में अवगत कराया। परियोजना अधिकारी ऋषिराज चढ़ार ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 2025 के संबंध में ग्राम विकास के लिए एकीकृत दृष्टिकोण, होने वाले लाभ, पांच स्तंभ आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा की

कार्यपालन यंत्री मेघा मौर्य ने नल जल योजनाओं के संचालन संधारण हेतु तकनीकी स्वीकृति जारी करने के संबंध में उपयोगी जानकारी दी। सहायक यंत्री अभिषेक त्रिपाठी ने नल जल योजना संचालन एवं संधारण नियमों के विषय में अवगत कराया। आरजीएसएसए के जिला प्रबंधक पंकज नामदेव ने ओएसआर के संबंध में शासन द्वारा जारी निर्देशों के संबंध में प्रकाश डाला। ग्राम पंचायत की विकास योजनाओं में पारदर्शिता रखने आदि... शपथ लिए जाने के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम का संचालन एपीओ अजीत सिंह ने किया वहीं लेखा अधिकारी सुरभित अग्रवाल ने सफल कार्यक्रम के लिए आभार व्यक्त किया।

इनकी रही मौजूदगी- कार्यक्रम में सभी जनपद पंचायतों जनपद सदस्य, सरपंच, पंच, ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, जनपद पंचायत बड़वारा की सीईओ सुश्री प्रभा तेकाम, परियोजना अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह, लेखाधिकारी सुरभित अग्रवाल, सहायक परियोजना अधिकारी मृगेंद्र सिंह, मीडिया प्रभारी अधिकारी योगेंद्र कुमार असादी, धनराज चौधरी, जग्गी पटेल, जी किस्पोट्टा, नरेश राठौर, उमेश सोनी एवं अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों की मौजूदगी रही।

जिंदगी क्या है...
शायद इसी सवाल का जवाब ढूँढते-ढूँढते
हम पूरी जिंदगी गुज़ार देते हैं।

बस चलते जा रहे हैं...
चलते जा रहे हैं...
चलते जा रहे हैं...

न जाने कौन-सी उम्मीद है,
जो हमें रुकने नहीं देती।
न जाने कौन-सी आशा है,
जो हमें थकने नहीं देती।
न जाने कौन-से सपने हैं,
जो हर सुबह हमें फिर दौड़ने के लिए जगा देते हैं।

कभी पैसे के पीछे,
कभी नाम के पीछे,
कभी शोहरत के पीछे,
कभी अपने बच्चों का भविष्य बनाने के पीछे...

हम भागते रहे,
बस भागते रहे।

सोचा—
थोड़ा और कमा लें, फिर आराम करेंगे।
थोड़ा और बड़ा घर बना लें,
फिर परिवार के साथ बैठेंगे।
थोड़ा कारोबार और बढ़ जाए,
फिर पुराने दोस्तों से मिलेंगे।
बच्चे अपने पैरों पर खड़े हो जाएँ,
फिर अपने लिए भी जिएँगे।

लेकिन जिंदगी में वह “फिर”
न जाने कब आया...

क्योंकि देखते-देखते
हमारे अपने ही हमसे बिछड़ते गए।

कोई परिवार का सदस्य चला गया,
कोई मित्र चला गया,
कोई पड़ोसी चला गया,
तो कोई ऐसा चला गया
जिससे कल ही मिलने का वादा किया था।

जो कल तक हमारे साथ बैठकर हँसते थे,
आज उनकी तस्वीर दीवार पर टंगी है।

जिनसे कहते थे—
“कभी फुर्सत में बैठेंगे...”
आज उन्हीं के लिए कहते हैं—
“काश! थोड़ा वक्त निकाल लिया होता...”

कितना अजीब है ना...
जिंदगी भर हम समय बचाने की कोशिश करते हैं,
लेकिन आखिर में समझ आता है
कि समय कभी बचता ही नहीं,
समय तो बस बीतता है।

हम जीना भूल गए



हम हिसाब लगाते रहे
तिना कमाया,
कितना बनाया,
कितना बचाया,
कितनी जमीन हुई,
कितना बड़ा घर हुआ...

लेकिन कभी यह हिसाब नहीं लगाया
कि माँ के पास बैठकर कितनी शामें बिताई,
पिता की कितनी बातें ध्यान से सुनीं,
बच्चों के साथ कितनी बार खुलकर हँसे,
जीवनसाथी से कितनी बार दिल की बात की,
और पुराने दोस्तों को कितनी बार
बिना किसी काम के फोन लगाया।

हम भविष्य बनाने में इतने व्यस्त हो गए
कि हमारा वर्तमान
चुपचाप हाथों से फिसलता गया।

बच्चे बड़े हो गए,
माँ-बाप बूढ़े हो गए,
दोस्त अपनी-अपनी दुनिया में खो गए,
और आईने में हमारे बाल भी
धीरे-धीरे सफेद हो गए।

फिर एक दिन समझ आया—
जिस जिंदगी को सँवारने के लिए
हम पूरी जिंदगी भागते रहे,
उसी जिंदगी को जीना भूल गए।

एक दिन हमारी दौड़ भी रुक जाएगी।
फोन वहीं रहेगा,
गाड़ी वहीं खड़ी रहेगी,
घर वहीं रहेगा,
कारोबार चलता रहेगा,
बैंक का खाता भी रहेगा,

दुनिया भी वैसे ही चलती रहेगी...

बस हम नहीं होंगे।
फिर कोई हमारी तस्वीर देखकर कहेगा
“बहुत मेहनत की इन्होंने...”
“बहुत नाम कमाया...”
“बहुत कुछ बनाया...”

पर शायद कोई यह नहीं पूछेगा—
इतना सब बनाते-बनाते
इन्होंने अपनी जिंदगी जी कितनी?
इसलिए...
थोड़ा रुक जाइए।
माँ-बाप के पास बैठ जाइए,
बच्चों को गले लगा लीजिए,
जीवनसाथी के साथ चाय पी लीजिए,
पुराने दोस्त को फोन लगा लीजिए,
किसी रूठे अपने को मना लीजिए।

कभी बिना वजह हँस लीजिए,
कभी बिना मंजिल घूम आइए,
कभी काम छोड़कर परिवार के साथ बैठ जाइए।

क्योंकि जिंदगी लंबी हो,
यह हमारे हाथ में नहीं...

लेकिन जितनी भी हो,
उसे जी भरकर जीना हमारे हाथ में जरूर है।
कल की चिंता में
आज को मत खो दीजिए।
क्योंकि आखिर में
न पैसा साथ जाएगा,
न मकान,
न गाड़ी,
न पद और न प्रतिष्ठा।
साथ रह जाएँगी तो बस
कुछ यादें,
कुछ रिश्ते,
कुछ हँसी के पल
और अपनों के दिलों में छोड़ा हुआ प्यार।
हम जिंदगी बनाने निकले थे,
और जिंदगी कमाने में लग गए।
सब कुछ पाने की चाह में
न जाने कितने अपने पीछे छोड़ गए।
चलते रहे...
चलते रहे...
चलते रहे...

और जब एक दिन पलटकर देखा,
तो बहुत कुछ हमारे पास था...
बस वह समय नहीं था,
जिसमें उसे जी सकें।
तब दिल ने धीरे से कहा—
“तुम जिंदगी से हारे नहीं थे,
तुमने बहुत कुछ पाया था...
बस पाने की इस भाग-दौड़ में,
तुम जीना भूल गए थे।”

कवि गोपाल गावडे

पत्रकार एवं एंकर जया ने पिता जगदीश चौहान के निधन के बाद उनकी सेवाओं को जारी रखने का लिया संकल्प



राजेश धाकड़

इंदौर। पत्रकार एवं युग का इंसाफ न्यूज चैनल की एंकर तथा सामाजिक, मांगलिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सफल संचालनकर्ता सुश्री जया एवं भवानी सिंह चौहान के पूजनीय पिता जगदीश चौहान (बाबा साहब), पिता ताराचंद जी का 6 अगस्त 2026, गुरुवार को कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। कुछ माह पूर्व उनका ऑपरेशन भी हुआ था। श्री जगदीश चौहान सामाजिक एवं धार्मिक सेवा से जुड़े हुए थे। वे इंदौर स्थित दुर्गा मंदिर तथा होशंगाबाद के कोरी घाट स्थित नर्मदा मंदिर में निरंतर सेवा कार्य करते थे। धार्मिक आस्था और सेवा भावना के कारण वे अपने परिचितों एवं समाजजनों के बीच विशेष सम्मान रखते थे। वे आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण एवं वितरण से भी जुड़े हुए थे तथा अनेक लोगों को प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से लाभान्वित करते थे। उनके निधन से परिवार, मित्रों, पत्रकारिता जगत एवं सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर है। दिवंगत जगदीश चौहान का सरल स्वभाव, धार्मिक सेवा और समाज के प्रति समर्पण सदैव स्मरण किया जाएगा। उनकी पुत्री जया ने संकल्प लिया है कि वे अपने पिता की स्मृति को चिरस्थाई बनाए रखने हेतु उनके द्वारा दी जाने वाली आयुर्वेदिक दवाओं की परंपरा एवं सेवा कार्य को निरंतर आगे बढ़ाती रहेंगी। श्री चौहान निधन पर शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए वरिष्ठ पत्रकार अजय पौराणिक, प्रकाश महावर कोली, दिनेश ठाकुर, रियाज खान सहित अनेक पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने जगदीश चौहान को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शांति।

लापरवाही पर बड़ा एक्शन उप स्वास्थ्य केंद्र में लापरवाही पर स्वास्थ्य केन्द्र अधिकारी व कर्मचारियों को हटाने के निर्देश

हेमंत भार्गव

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा द्वारा उप स्वास्थ्य केंद्र थदरा, विकास खंड करैरा के औचक निरीक्षण के दौरान गंभीर अव्यवस्था सामने आई। निरीक्षण के समय अधिकारी कक्ष बंद मिला,



सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी अनुपस्थित पाई गई, तथा परिसर में भारी गंदगी व इलाज ठप पाया गया।

आमजन की स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े कार्य में इस प्रकार की घोर लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाते हुए

कलेक्टर श्री वर्मा ने अनुपस्थित सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी एवं कर्मचारी को तत्काल प्रभाव से पद से हटाने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी स्तर पर बरती गई लापरवाही अक्षम्य होगी।

घर बड़े होते गए, परिवार छोटे होते गए... आखिर बुजुर्ग जाएं तो जाएं कहां?

रणजीत टाइम्स | विशेष रिपोर्ट

नई दिल्ली। हर वर्ष 21 अगस्त को विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाया जाता है। यह दिन केवल बुजुर्गों को शुभकामनाएं देने का अवसर नहीं, बल्कि आज के बदलते सामाजिक ढांचे पर गंभीरता से विचार करने का भी दिन है। सवाल यह है कि जिस पीढ़ी ने बच्चों को पालने, परिवार बनाने और अगली पीढ़ी का भविष्य संवारने में अपना पूरा जीवन लगा दिया, क्या वृद्धावस्था में उसे वही अपनापन, सम्मान और सुरक्षा मिल रही है जिसकी वह हकदार है? भारत तेजी से वृद्ध होती आबादी वाला देश बन रहा है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (UNFPA) की India Ageing Report के अनुसार वर्ष 2022 में देश की लगभग 10.5 प्रतिशत आबादी 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र की थी, जिसके 2050 तक बढ़कर लगभग 20.8 प्रतिशत होने का अनुमान है। यानी आने वाले वर्षों में भारत में हर पांच में से लगभग एक व्यक्ति बुजुर्ग हो सकता है।

बढ़ती उम्र के साथ बढ़ रहा अकेलापन-आज की पीढ़ी पढ़ाई, नौकरी और व्यवसाय के लिए अपने गांव और शहर से दूर देश-विदेश तक जा रही है। संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों ने ले ली है। इसका सबसे अधिक असर कई बुजुर्ग माता-पिता के जीवन पर दिखाई देता है। बहुत से घरों में आर्थिक सुविधाएं तो मौजूद हैं, लेकिन बुजुर्गों के साथ बैठकर बात करने और उनकी बात सुनने के लिए समय कम होता जा रहा है। मोबाइल और सोशल मीडिया ने दुनिया को करीब किया है, लेकिन कई परिवारों में एक ही छत के नीचे रहने वाली पीढ़ियों के बीच संवाद की दूरी बढ़ती दिखाई देती है। बुजुर्गों की जरूरत केवल दवा, भोजन और पैसे तक सीमित नहीं है। उन्हें सबसे ज्यादा जरूरत इस एहसास की होती है कि वे आज भी परिवार का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।



वृद्धाश्रम—सुविधा भी, लेकिन समाज के सामने एक सवाल भी

देश में वृद्धजन देखभाल की संस्थागत व्यवस्था का विस्तार भी हो रहा है। जुलाई 2026 में केंद्र सरकार ने संसद में बताया कि Atal Vayo Abhyuday Yojana के अंतर्गत 734 Senior Citizen Homes को सहायता दी जा रही है। यह जरूरी है कि वृद्धाश्रमों को केवल नकारात्मक नजरिए से न देखा जाए। अकेले रहने वाले, संतानविहीन या विशेष देखभाल की जरूरत वाले बुजुर्गों के लिए अच्छे वृद्धाश्रम और असिस्टेड-लिविंग सुविधाएं सम्मानजनक एवं सुरक्षित विकल्प हो सकती हैं। लेकिन यदि माता-पिता का परिवार और संतान होते हुए भी उन्हें केवल इसलिए वृद्धाश्रम का रास्ता देखना पड़े कि बच्चों के पास उनके लिए समय या स्थान नहीं है, तो यह आधुनिक समाज के लिए गंभीर आत्ममंथन का विषय है। क्या आधुनिकता की कीमत हमारे बुजुर्गों का अकेलापन बनती जा रही है? यह सवाल आज

हर परिवार को खुद से पूछने की जरूरत है।

नई पीढ़ी की जिम्मेदारी सिर्फ पैसा भेज देना नहीं-आज के युवाओं पर करियर, बच्चों की शिक्षा, आर्थिक जिम्मेदारियों और तेज जीवनशैली का दबाव है। इसलिए बुजुर्गों की देखभाल का अर्थ यह नहीं कि युवा अपनी पूरी जिंदगी रोक दें। जरूरत है जिम्मेदारी और आधुनिक जीवन के बीच संतुलन बनाने की। नई पीढ़ी अपने माता-पिता और दादा-दादी के लिए कुछ छोटी लेकिन महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा सकती है। समय निकालें। प्रतिदिन कुछ समय बिना मोबाइल और दूसरी व्यस्तताओं के उनके साथ बैठें। कई बार बुजुर्गों को समाधान से ज्यादा किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है जो उनकी बात ध्यान से सुने। स्वास्थ्य की जिम्मेदारी साझा करें। नियमित जांच, दवाइयां, डॉक्टर की अपॉइंटमेंट और जरूरत पड़ने पर अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था परिवार सुनिश्चित करे। आर्थिक सम्मान बनाए रखें। उनकी पेंशन, बचत और संपत्ति को उनका अधिकार समझें। उनकी सहमति के बिना उनकी आर्थिक स्वतंत्रता छीनने का प्रयास नहीं होना चाहिए।

फैसलों में शामिल करें। घर, विवाह, संपत्ति या अन्य महत्वपूर्ण पारिवारिक फैसलों में उनकी राय लेना उन्हें यह अहसास कराता है कि परिवार में उनका महत्व आज भी कायम है। डिजिटल दुनिया से जोड़ें। ऑनलाइन बैंकिंग, वीडियो कॉल, डिजिटल भुगतान और साइबर ठगी से बचाव जैसी चीजें धैर्य से सिखाना भी आज नई पीढ़ी की जिम्मेदारी है।

माता-पिता को 'जिम्मेदारी' नहीं, परिवार समझने की जरूरत- हमारे समाज में एक समय तीन-तीन पीढ़ियां एक ही घर में रहती थीं। दादा-दादी और नाना-नानी बच्चों को कहानियों के माध्यम से संस्कार, अनुभव और परिवार का इतिहास देते थे। आज सुविधाएं बढ़ी हैं, मकान बड़े हुए हैं, लेकिन समय की कमी और जीवन की

भागदौड़ ने कई रिश्तों को प्रभावित किया है। सवाल वृद्धाश्रम खोलने या बंद करने का नहीं है। सवाल यह है कि क्या हम ऐसी पारिवारिक और सामाजिक व्यवस्था बना रहे हैं जिसमें इंसान उम्र बढ़ने के बाद खुद को परिवार पर बोझ न समझे? सरकार भी वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायता तंत्र विकसित कर रही है। केंद्र सरकार की Elderline 14567 वरिष्ठ नागरिकों के लिए राष्ट्रीय हेल्पलाइन है, जहां जानकारी, मार्गदर्शन, भावनात्मक सहयोग और आवश्यकता के अनुसार सहायता उपलब्ध कराई जाती है। आने वाले भारत के लिए आज से तैयारी जरूरी भारत में बुजुर्गों की देखभाल अब केवल किसी एक परिवार का निजी मामला नहीं है। आने वाले दशकों में यह देश के सामने बड़ी सामाजिक, आर्थिक और नीतिगत चुनौती बनने वाली है। यदि 2050 तक देश की लगभग पांचवां हिस्सा आबादी 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की हो जाती है, तो हमें अभी से बेहतर वृद्धजन स्वास्थ्य सेवाओं, घर पर चिकित्सा और देखभाल, सुरक्षित आवास, सामाजिक सुरक्षा, पेंशन व्यवस्था, वरिष्ठ नागरिकों के अनुकूल सार्वजनिक स्थान और अकेले रहने वाले बुजुर्गों के लिए मजबूत सहायता तंत्र तैयार करना होगा।

नई पीढ़ी के नाम एक संदेश जिस उंगली को पकड़कर हमने चलना सीखा, उम्र के अंतिम पड़ाव पर उसी हाथ को थामना हमारी जिम्मेदारी है। माता-पिता को महंगे उपहारों से अधिक हमारे समय, सम्मान, संवाद और साथ की आवश्यकता होती है। वृद्धाश्रम एक आवश्यक सामाजिक सुविधा हो सकता है, लेकिन यदि वह परिवार और संतान होते हुए भी किसी माता-पिता की मजबूरी बन जाए, तो यह पूरे समाज के लिए चिंता और आत्ममंथन का विषय है।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस पर संकल्प लें- बुजुर्गों को केवल लंबी जिंदगी नहीं, सम्मान के साथ जिंदगी मिले।

कोकिलाबेन अस्पताल को नोटिस, H1N1 मरीज की सूचना देने में लापरवाही पर

CMHO ने थमाया नोटिस

CMHO डॉ. माधव हासानी ने बताया.... कोकिलाबेन अस्पताल को नोटिस जारी किया। उज्जैन की H1N1 पॉजिटिव महिला ने 18 अगस्त को डिस्चार्ज लिया, 19 को उसकी मौत हो गई। अस्पताल ने मरीज के पॉजिटिव होने की सूचना स्वास्थ्य विभाग को समय पर नहीं दी। CMHO डॉ. हासानी ने कहा मामले की जांच कराई जाएगी, लापरवाही पर कार्रवाई होगी। इस साल इंदौर में H1N1 के 14 केस और 2 मौतें हो चुकी हैं। डॉ. हासानी ने जनता से अपील की है घबराएं नहीं, भीड़ से बचें और सफाई रखें।

इंदौर - 8 अगस्त की तड़के करीब 4 बजे सुल्लाखेड़ी-मांगलिया ब्रिज पर पांच युवक सेल्फी ले रहे थे इसी दौरान बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और मारपीट शुरू कर दी

आरोपियों ने दीपक नाम के युवक पर रॉड से हमला किया, जिससे उसका पैर फ्रैक्चर हो गया। इसके बाद बदमाश युवकों की कार और मोबाइल लूटकर फरार हो गए। मामले में क्षिप्रा पुलिस ने अब तीसरे आरोपी आबिद उर्फ अल्लू पिता उमर खान, निवासी दुपाड़ा, जिला शाजापुर को गिरफ्तार किया है। सांवेर एसडीओपी सांवेर देवेन्द्र धुर्वे ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि आबिद उर्फ अल्लू देवास-उज्जैन रोड पर कहीं जाने के



लिए खड़ा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आबिद को पकड़

लिया। पूछताछ में उसके द्वारा वारदात में शामिल होना स्वीकार किया गया, जिसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार किया गया। इस मामले में अब तक तीन आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इनमें कृष, संजय उर्फ शूटर और आबिद उर्फ अल्लू शामिल हैं। वहीं फरार आरोपी समीर और भगवान फुलेरिया, दोनों निवासी दुपाड़ा, जिला शाजापुर के संबंध में पुलिस पूछताछ और तलाश कर रही है।

॥धार॥ नरेंद्र मोदी विचार मंच के संस्थापक रवि चाणक्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरनाथ सोनी, राष्ट्रीय महामंत्री संगठन, राष्ट्रीय प्रभारी की सहमति एवं राष्ट्रीय कोर कमेटी के निर्णय पर प्रदेश प्रभारी महेश चंद्र महेश्वरी, प्रदेश कार्यकारणीय अध्यक्ष आशीष विश्वकर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हिम्मत परिहार, प्रदेश महासचिव सचिन सोलंकी, प्रदेश प्रवक्ता मोहनलाल पाटीदार, प्रदेश उपाध्यक्ष गणेश सिंह राजावत, प्रदेश मीडिया प्रभारी कैलाश मुकाती एवं प्रदेश कोर कमेटी की सहमति से प्रदेश

ताजु वसुनिया जिलाध्यक्ष नियुक्त

अध्यक्ष सुनील कुमार सांखला, इंदौर संभाग प्रभारी मुकेश निगम, दिलीप जैन, इंदौर संभाग अध्यक्ष द्वारा ताजु वसुनिया को नरेंद्र मोदी विचार मंच का धार जिलाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति पर इष्ट मित्रो द्वारा उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं



दी गईं। जिनमें राजाभऊ भदाने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुरेश जी जलोदिया, एडवोकेट भगवान दास जी मालवीय, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष ममता जोशी, प्रतिभा शर्मा, जिला महामंत्री प्रवीण टाक, विधानसभा प्रभारी देवांग पवार, नगर अध्यक्ष शैलेश

बीजवा, मुरलीधर वैष्णव, गणेश राठौड, प्रवीण टाक, संदीप महेंद्र, विजय प्रजापत, नमन रावल, कालू प्रजापत, वार्ड अध्यक्ष मुकेश योगी, रतन भाबर, देवी लाल मुकाती, गणेश पटेल, गोविंद बारिया, मोहिते जी, श्याम योगी, धार जिला आई टी सेल प्रभारी शुभम उपाध्याय, यशपाल नागर, शांतिलाल शर्मा, धार जिला सह मीडिया प्रभारी पारस जैन आदि ने बधाई दी। उक्त जानकारी मंच के जिला मीडिया प्रभारी हरीश आर्य ने दी है।

हरियाली तीज महोत्सव प्रथम दिवस में निकली पालकी यात्रा तथा झूलों पर झूमी महिलाएं

नारी शक्ति से ही सनातन संस्कृति सुरक्षित। वीरेन्द्र नीलम चौहान



कानपुर। सार्वजनिक श्री संकट मोचन विजय हनुमान एवं दुर्गा मंदिर समिति के महिला मंडल द्वारा सावन मास के पावन अवसर पर आठ दिवसीय हरियाली तीज महोत्सव बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा भाव से मनाया गया। महोत्सव का शुभारंभ विधिविधान से पूजा अर्चना के साथ हुआ। इस अवसर पर श्री राधा जी की भव्य पालकी यात्रा निकाली गई जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मंदिर प्रांगण में सावन के झूले लगाए गए जहां सोलह श्रृंगार कर आई महिलाओं ने झूला झूलते हुए सावन के गीत गाए। पूरा मंदिर परिसर हरियाली और भक्ति में डूबा नजर आया। आयोजन वीरेन्द्र नीलम चौहान सनातन वैवाहिक बंधन एवं नीलम आर्किटेक्ट एंड इंटीरियर डिजाइनर द्वारा किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मठ मंदिर समन्वय कानपुर की अध्यक्ष श्रीमती किरण पाण्डेय रही। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज जिस प्रकार मातृशक्ति ने हरियाली तीज के माध्यम से अपनी संस्कृति को जीवंत रखा है वह प्रशंसनीय है। नारी ही संस्कृति की रक्षक है और जब तक महिला मंडल जैसे संगठन सक्रिय रहेंगे

तब तक हमारी सनातन परंपराएं सुरक्षित रहेंगी। हरियाली तीज केवल पर्व नहीं यह अखंड सौभाग्य और प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक है। उन्होंने महिला मंडल के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में एकता और संस्कारों का संचार होता है। इस मौके पर मुख्य रूप से नीलम चौहान रेनु मधु शुक्ला मधु मिश्रा मीरा तिवारी पूजा गुप्ता सुहानी पाल शीलू मिश्रा रजनी पाण्डे अंजली पांडे लक्ष्मी सैनी आस्था मिश्रा ममता मिश्रा नीलम दुबे सुदामा दुबे मधु गुप्ता बीना त्रिपाठी शालिनी अवस्थी शालिनी गुप्ता संयोगिता तिवारी सुषमा भारद्वाज निशा शर्मा मीरा गुप्ता रश्मि लता गुप्ता सुषमा पांडे बबिता पांडे भारती मिश्रा पूनम शुक्ला गीता शुक्ला उर्मिला श्रीवास्तव रेखा आंवतिका द्विवेदी नीलू सविता लक्ष्मी द्विवेदी अमन मंजू तिवारी सुधा शुक्ला संतोष गुप्ता अर्चना शुक्ला शशि गाँधी सुनीता शर्मा सुशीला श्रीवास्तव डॉली द्विवेदी अराधना मयंक रत्ना गुप्ता वैदेही शर्मा आशा देवी राठौर कंचन सक्सेना छाया मिश्रा सुनीता सिंह सुमन शुक्ला अंजू द्विवेदी शाल्यवी द्विवेदी सहित काफी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रही।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत जी का इंदौर आगमन भाजपा नेताओं द्वारा अगवानी एवं आत्मीय स्वागत

इंदौर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत आज सुबह इंदौर पहुंचे। विमानतल पर भाजपा



नेताओं ने उनकी अगवानी कर आत्मीय स्वागत किया। श्री शेखावत

आज सुबह विमान से दिल्ली से इंदौर विमानतल पहुंचे, यहां भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, मंत्री तुलसीराम सिलावट, दीपक जैन टीनू, विशाल यादव, नागेश पंवार, पवन पंवार ने उनकी अगवानी कर पुष्पगुच्छ भेंटकर आत्मीय स्वागत किया। भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने शॉल ओढ़ाकर उनका आत्मीय अभिनंदन किया। श्री शेखावत पीथमपुर इंडस्ट्रीज एरिया में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। दोपहर 12:15 बजे इंदौर एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना हुए।

संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650 वीं जयंती के उपलक्ष्य में इंदौर में कलश वंदन यात्रा का शुभारंभ 21 अगस्त को

संत शिरोमणि रविदास जी की जन्मस्थली काशी के पवित्र माटी कलश भोपाल से इंदौर पहुंचें 35 मंडलों में होगा कलशों का वितरण कलश वंदना यात्रा के माध्यम से संत रविदास जी के समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएगी भाजपा

इंदौर। भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, यात्रा प्रभारी भूपेंद्र सिंह केसरी, अजा मोर्चा नगर अध्यक्ष भूपेंद्र चौहान ने बताया कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650 वीं जयंती के उपलक्ष्य में पूरे देश में कलश वंदन यात्रा निकाली जा रही है, इसी कड़ी में 21 अगस्त को शाम 5 बजे गांधी हॉल में कलशों का साधु संतों की उपस्थिति में पूजन एवं वंदन किया जाएगा। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महापौर पुष्पमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, मालिनी गौड़, महेंद्र हार्दिया, मधु वर्मा कलशों का पूजन एवं वंदन कर इंदौर की कलश यात्रा का शुभारंभ करेंगे। नेताओं ने बताया कि भाजपा संत रविदास जी के समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएगी। भाजपा की विचारधारा का मूल आधार ही संत रविदास जी की सामाजिक समरसता है। समरसता अभियान सात माह तक चलेगा, संत जी का संदेश इंदौर की प्रत्येक मोहल्ले, प्रत्येक गली, हर समाज के घर घर तक पहुंचाने के काम भाजपा कार्यकर्ता करेंगे। नेताओं ने बताया कि कलश वंदन यात्रा संत शिरोमणि रविदास की जन्मभूमि वाराणसी (काशी) के सीर गोवर्धनपुर से प्रारंभ हुई है। उनकी जन्मस्थली की



पवित्र माटी से कलशों को तैयार किया गया। जो सभी राज्यों को भेजे गए हैं, भोपाल में वाराणसी से आए कलशों का पूजन वंदन मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने किया। कलशों के वंदन के पश्चात सभी जिलों को कलश भेंट किए गए, इंदौर से अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महामंत्री कैलाश पिपले, अभियान प्रभारी भूपेंद्र सिंह केसरी, मोर्चा नगर अध्यक्ष भूपेंद्र चौहान, नीतेश खांडेकर, बबल वेद ने प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल की उपस्थिति में कलश ग्रहण किया।

35 मंडलों में होगा पवित्र कलशों का वितरण - नेताओं ने बताया कि 21 अगस्त को शाम 5 बजे गांधी हॉल में साधु संतों की उपस्थिति में कलशों का पूजन एवं वंदन किया जाएगा। मंत्री

कैलाश विजयवर्गीय, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महापौर, विधायकों की उपस्थिति में कलशों का पूजन एवं वंदन किया जाएगा, तत्पश्चात नगर के 35 मंडलों में उनका वितरण किया जाएगा।

सभी 35 मंडलों में निकलेगी कलश वंदन यात्रा-नेताओं ने बताया कि इंदौर नगर के सभी 35 मंडलों में पवित्र कलश वंदन यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा 21 से 29 अगस्त तक निकाली जाएगी। मंडल के सभी वार्डों के प्रत्येक मंदिरों, मठों, आश्रमों, मोहल्लों, प्रत्येक गली, सभी समाजों के बीच हर घर, घर घर तक पहुंचेगी। यात्रा के दौरान साधु संतों का सम्मान भी किया जाएगा और संत शिरोमणि रविदास जी के सामाजिक समरसता के संदेश को जन जन तक पहुंचाया जाएगा।

इंदौर आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 34 पेटी अवैध शराब जप्त

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। जिला आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विक्रय एवं परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की गई।

आबकारी विभाग की टीम ने सनराइज टाउन बंजारी स्थित एक मकान पर दबिश देकर देसी एवं विदेशी मदिरा की कुल 34 पेटियां, जिसमें 324 बल्क लीटर अवैध शराब शामिल है, जप्त की है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशन में, कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी तथा डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल के नेतृत्व में जिले में अवैध शराब के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 20 अगस्त 2026 को वृत्त महु-ब के प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री पवन टीकेकर को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना के आधार पर आबकारी उपनिरीक्षक श्री राजेश वट्टी



एवं टीम ने सनराइज टाउन बंजारी स्थित मकान पर दबिश दी।

कार्रवाई के दौरान मौके से लंदन प्राइड व्हिस्की की 4 पेटी, लिमाउंट बीयर की 6 पेटी, देसी मदिरा प्लेन की 16 पेटी तथा देसी मदिरा मसाला की 8 पेटी बरामद की गई। कुल 34 पेटियों में 324 बल्क लीटर अवैध मदिरा जप्त की गई, जिसकी अनुमानित बाजार

कीमत करीब 1 लाख 54 हजार 160 रुपये बताई गई है। मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) एवं 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। उक्त कार्रवाई में मुख्य आरक्षक ओमप्रकाश राठौड़, रवींद्र बघेल, आरक्षक सावन सिसोदिया एवं राशि सोलट का सहायनी योगदान रहा।

राजकुमार मिल गणेश उत्सव समिति की झांकी के 90वें वर्ष का शुभारंभ झांकी की गाड़ी का विधिवत पूजन, गणेश उत्सव की तैयारियां तेज

रणजीत टाइम्स

इंदौर। राजकुमार मिल गणेश उत्सव समिति द्वारा आयोजित ऐतिहासिक गणेश उत्सव की झांकी इस वर्ष अपने 90वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। इसी क्रम में आज झांकी की गाड़ी का विधि-विधान एवं श्रद्धापूर्वक पूजन किया गया।

पूजन के साथ ही गणेश उत्सव की तैयारियों का औपचारिक शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर इंटक के प्रधानमंत्री लक्ष्मीनारायण पाठक, समाज के वरिष्ठ मदन परमालिया, समिति के संयोजक एवं अधिवक्ता अजय सिंह ठाकुर, कार्यकारी अध्यक्ष दिलीप माथुर, सचिव नाथूलाल शर्मा सहित समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। झांकी निर्माण एवं कलात्मक सजा से जुड़े कलाकार प्रवीण हरगांवकर, विनय हरगांवकर, हितेश हरगांवकर,



गणेश वर्मा तथा अमृत कुमार वर्मा (वर्मा इलेक्ट्रिकल) सहित अन्य गणमान्यजन भी पूजन कार्यक्रम में

शामिल हुए। राजकुमार मिल की गणेश झांकी का इतिहास शहर की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ा

हुआ है। 90वें वर्ष में प्रवेश के अवसर पर समिति द्वारा झांकी को विशेष एवं आकर्षक स्वरूप देने की तैयारियों की

जा रही हैं। पूजन कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों ने आयोजन को भव्य, गरिमापूर्ण एवं श्रद्धापूर्ण बनाने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि आगामी गणेश उत्सव को लेकर तैयारियां लगातार जारी हैं। झांकी की साज-सज्जा, कलात्मक निर्माण और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। 90 वर्ष की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण प्रस्तुत करने का प्रयास किया जाएगा। पूजन के दौरान उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भगवान श्री गणेश से आयोजन की सफलता, समाज एवं शहर की सुख-समृद्धि तथा सभी के मंगल की कामना की।

अधिकारियों ने आधा दर्जन से अधिक शासकीय स्कूलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का किया आकलन



नवल किशोर कुशवाहा

कटनी। नगर निगम सीमा अंतर्गत संचालित शासकीय स्कूलों में उपलब्ध व्यवस्थाओं को सुदृढ़ एवं बेहतर बनाने तथा विद्यार्थियों को पठन-पाठन के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार के निर्देश पर निगम अधिकारियों, सहायक यंत्री आदेश जैन एवं उपयंत्री शैलेन्द्र प्यासी द्वारा विभिन्न शासकीय स्कूलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विद्यालयों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, कक्षों की स्थिति सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लेकर उनका आकलन किया गया।

इन स्कूलों का किया निरीक्षण-निगम अधिकारियों द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला मंगल नगर, प्राथमिक शाला छपरवाह, प्राथमिक शाला बिलगवां, माध्यमिक विद्यालय एन के जे, प्राथमिक विद्यालय कुठला, प्राथमिक विद्यालय पुरेनी, प्राथमिक शाला पहरा

स्कूल का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं का आकलन किया। सुधार एवं रखरखाव के बिंदु चिन्हित-इस दौरान अधिकारियों द्वारा विद्यालय परिसर एवं कक्षाओं की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए आवश्यक सुधार एवं रखरखाव से संबंधित बिंदुओं को चिन्हित किया गया। इस दौरान निगम अधिकारियों ने विद्यालय प्रबंधन से भी चर्चा कर विद्यार्थियों की आवश्यकताओं तथा स्कूल में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।

नगर निगम प्रशासन ने निर्देशित किया है कि निगम सीमा अंतर्गत संचालित शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के साथ सुदृढ़ किया जाए। निरीक्षण के दौरान सामने आने वाली कमियों का निराकरण सुनिश्चित करने की दिशा में आवश्यक कार्यवाही की जाएगी, ताकि छात्र-छात्राओं को बेहतर पठन-पाठन की सुविधा मिल सके।

आयकर अधिकारी मानवेंद्र सिंह, गेस्ट हाउस में अचेत अवस्था मिले डॉक्टरों ने जांच के उपरांत मृत घोषित किया

नवल किशोर कुशवाहा

कटनी। आयकर विभाग में उस समय हड़कंप मच गया, जब इनकम टैक्स ऑफिस में पदस्थ आयकर अधिकारी मानवेंद्र सिंह गेस्ट हाउस के अपने कमरे में अचेत अवस्था में मिले। सूचना पर पहुंचे चिकित्सक ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार मानवेंद्र सिंह इनकम टैक्स ऑफिस के समीप स्थित कॉलोनी के गेस्ट हाउस में अकेले रहते थे। गुरुवार सुबह काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आने पर एक कर्मचारी उन्हें जगाने पहुंचा। दरवाजा खटखटाने के बावजूद अंदर से कोई जवाब नहीं मिला, जिसके बाद उसने कार्यालय में इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे तथा दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया। कमरे में मानवेंद्र सिंह बेड पर अचेत अवस्था में पड़े मिले। तत्काल चिकित्सक को बुलाया गया, जिन्होंने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर



दिया। बताया जा रहा है कि बुधवार रात करीब 10 बजे तक मानवेंद्र सिंह अपने मित्रों से फोन पर बातचीत करते रहे। इसके बाद उन्होंने भोजन किया और कमरे का दरवाजा बंद कर सो गए। सुबह जब वे नहीं उठे तो घटना की जानकारी सामने आई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्यवाई की। मृतक के परिजन उत्तर प्रदेश में रहते हैं, जिन्हें घटना की सूचना दे दी गई है। उनके शुक्रवार सुबह कटनी पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम की कार्यवाई की जाएगी। प्रारंभिक तौर पर चिकित्सकों द्वारा साइलेंट हार्ट अटैक से मौत की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। कमरे से कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है।

राजीव गांधी अमर रहे के नारों के साथ राजीव गांधी की जयंती मनाई



जितेन्द्र जोशी

खेतिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी खेतिया के तत्वावधान में भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में मनाई गई। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिनेश सोनिस ने आईटी क्रांति के जनक, आधुनिक भारत के निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी की जयंती पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि और नमन करते हुए उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान को समक्ष रखा ब्लॉक कांग्रेस द्वारा राजीव जी की जन्मजयंती पर वरिष्ठ कार्यकर्ता बाबू रतन चौधरी, नगर कांग्रेस अध्यक्ष सदाशिव मराठे, राजेश नाहर, सुदेश भावसार जितेन्द्र पाटिल पार्षद, रमेश एसिकर, अनिल चौधरी, इमरान कुरेशी, अभिमन्यु गोसावी, चेतन जैन, फारूक शेख, फारूक बेलिम, अशोक शिंदे, अजहर शेख, राजू गायकवाड़ सहित कार्यकर्ताओं ने राजीव जी के चित्र पर माल्यार्पण कर प्रधानमंत्री के रूप में राजीव जी की दूरदर्शी सोच और प्रगतिशील विचारों, भारत को 21वीं सदी के संकल्प, मजबूत पंचायती राज तथा युवाओं को राष्ट्र निर्माण का सक्रिय भागीदार बनाने को लेकर उसे स्मरण किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी अमर रहे, जब तक सूरज चांद रहेगा, राजीव जी का नाम रहेगा के नारे लगाए।

कल्याण मिल झांकी समिति की झांकी की गाड़ी का विधिविधान और श्रद्धापूर्वक पूजन कर शुभारंभ किया गया

इंदौर की 100 साल पुरानी झांकी परंपरा बचाने की जिम्मेदारी सरकार की, हरनामसिंह धालीवाल ने उठाई गंभीर चिंता

रणजीत टाइम्स » अक्षत शाक्यवार

झांकी के शुभारंभ एवं पूजन कार्यक्रम में शहर अध्यक्ष कांग्रेस चिट्ठू चौकसे, जयेन्द्र, हरनामसिंह धालीवाल, लक्ष्मीनारायण पाठक, दैनिक दोपहर से नवनीत शुक्ला सहित अन्य गणमान्य लोग और समिति से जुड़े सदस्य मौजूद रहे। सभी ने झांकी निर्माण की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं और इंदौर की इस ऐतिहासिक परंपरा को आगे बढ़ाने की बात कही।



इंदौर की झांकियां केवल सजावट और उत्सव नहीं, बल्कि शहर की सांस्कृतिक पहचान हैं-और इस पहचान को बचाए रखना सामूहिक जिम्मेदारी है: हरनाम सिंह धालीवाल



खर्च को पूरा करना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने यह भी चिंता जताई कि झांकी निर्माण के लिए बिजली व्यवस्था का अलग से पर्याप्त प्रबंध या आवश्यक छूट भी समितियों को नहीं मिलती। जब कलाकार और मजदूर दो महीने तक मेहनत करके झांकी तैयार कर रहे होते हैं, तब बिजली सहित अन्य व्यवस्थाओं का खर्च भी समिति पर आ जाता है। इससे आर्थिक दबाव और बढ़ जाता है।

सरकार को झांकियों को सिर्फ आयोजन नहीं, विरासत मानना होगा

हरनामसिंह धालीवाल की बात का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यही है कि झांकियों को केवल अनंत चतुर्दशी के एक आयोजन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह इंदौर के इतिहास और संस्कृति की जीवित विरासत है। कपड़ा मिलों का दौर भले ही बदल गया हो, लेकिन उन मिलों से जुड़ी झांकी की परंपरा आज भी शहर को अपनी पुरानी पहचान से जोड़ती है। झांकियों के माध्यम से शहर की कला, संस्कृति, धार्मिक भावना और सामाजिक संदेश लोगों तक पहुंचते हैं। इन्हें तैयार करने वाले कलाकार और मजदूर भी इंदौर की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उनकी मेहनत और परंपरा को सरकारी संरक्षण मिलना जरूरी है।

» » धालीवाल ने शासन-प्रशासन से मांग की कि झांकी समितियों को पर्याप्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के साथ ही निर्माण के दौरान बिजली, स्थान और अन्य जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था भी की जाए। यदि सरकार समय रहते इस दिशा में ठोस कदम उठाती है तो झांकी समितियों पर आर्थिक दबाव कम होगा और कलाकारों को भी बेहतर तरीके से काम करने का अवसर मिलेगा।

मजदूरों ने मुश्किल दौर में भी परंपरा नहीं टूटने दी

इंदौर की झांकियों की सबसे बड़ी ताकत यहां के मजदूर और कलाकार रहे हैं। आर्थिक संकट के बावजूद उन्होंने इस परंपरा को टूटने नहीं दिया। यही कारण है कि आज भी अनंत चतुर्दशी आते ही शहर की सड़कों पर झांकियों को लेकर उत्साह देखने को मिलता है। पुरानी पीढ़ी जहां इन झांकियों से अपनी यादें जोड़ती है, वहीं नई पीढ़ी के लिए यह इंदौर की अनूठी सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा है।

हरनामसिंह धालीवाल का कहना है कि यदि सरकार और प्रशासन इस परंपरा को बचाने के लिए समय रहते गंभीर प्रयास करते हैं तो आने वाली पीढ़ियां भी इन झांकियों को उसी गौरव के साथ देख सकेंगी। इसके लिए केवल मौखिक समर्थन नहीं, बल्कि पर्याप्त आर्थिक सहयोग और स्थायी व्यवस्था की आवश्यकता है। हरनामसिंह धालीवाल की मांग मूल रूप से इंदौर की एक ऐसी परंपरा को बचाने की अपील है, जो शहर के इतिहास से जुड़ी हुई है। ऐसे में शासन-प्रशासन को इस मांग को गंभीरता से लेते हुए झांकी समितियों के लिए आर्थिक सहायता और आवश्यक सुविधाओं की स्थायी व्यवस्था पर विचार करना चाहिए।



का सामना कर रही हैं। इसके बावजूद मजदूर और कलाकार अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए इस परंपरा को कायम रखे हुए हैं। महंगाई के कारण झांकी बनाने में लगने वाली सामग्री, सजावट, बिजली और अन्य व्यवस्थाओं की लागत लगातार बढ़ रही है। समितियों के पास सीमित संसाधन हैं, लेकिन लोगों की उम्मीदें आज भी पहले जैसी ही हैं।

उन्होंने कहा कि एक झांकी तैयार करने में कलाकारों और मजदूरों को करीब दो महीने तक लगातार मेहनत करनी पड़ती है। झांकी का निर्माण केवल कुछ दिनों का काम नहीं होता। इसके लिए पहले विषय तय किया जाता है, फिर डिजाइन तैयार होता है और इसके बाद कलाकार एवं मजदूर दिन-रात मेहनत कर उसे आकार देते हैं। विशाल झांकी को आकर्षक और सुरक्षित बनाने के लिए

बड़ी मात्रा में सामग्री और तकनीकी संसाधनों की आवश्यकता होती है। ऐसे में समय पर आर्थिक सहयोग नहीं मिलने से समितियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है।

सरकारी मदद मिलती है, लेकिन वर्तमान जरूरत के मुकाबले अपर्याप्त

हरनामसिंह धालीवाल ने स्पष्ट कहा कि आईडीए और नगर निगम की ओर से झांकी समितियों को कुछ आर्थिक सहयोग मिलता है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह सहायता पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि आज झांकी निर्माण की लागत पहले के मुकाबले काफी बढ़ चुकी है। ऐसे में पुरानी व्यवस्था के अनुसार मिलने वाली आर्थिक सहायता से समितियों के सामने आने वाले

इंदौर। अनंत चतुर्दशी पर निकलने वाली कपड़ा मिलों की ऐतिहासिक झांकियां इंदौर की पहचान का अभिन्न हिस्सा हैं। यह परंपरा केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर के इतिहास, संस्कृति, कला और मिल मजदूरों की मेहनत से गहराई से जुड़ी हुई है।

» » सौ वर्ष से अधिक पुरानी इस परंपरा को आज भी मजदूर और कलाकार अपनी मेहनत से जीवित रखे हुए हैं हालांकि वर्तमान समय में आर्थिक परेशानियों और बढ़ती लागत के कारण झांकी समितियों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में कल्याण मिल झांकी समिति के अध्यक्ष हरनामसिंह धालीवाल* ने शासन-प्रशासन से इस ऐतिहासिक परंपरा को बचाने के लिए गंभीरता से पहल करने की मांग की है।

कल्याण मिल झांकी समिति की झांकी की गाड़ी का विधि-विधान और श्रद्धापूर्वक पूजन कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर हरनामसिंह धालीवाल ने कहा कि इंदौर की झांकियां शहर की ऐसी पहचान हैं, जिसे किसी कीमत पर खत्म नहीं होने दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कपड़ा मिलों की झांकियों का इतिहास सौ वर्षों से भी अधिक पुराना है। इन झांकियों के निर्माण में केवल एक समिति नहीं, बल्कि बड़ी संख्या में कलाकार, मजदूर और शहर से जुड़े लोग अपनी भूमिका निभाते हैं। कई परिवार और कलाकार पीढ़ियों से इस परंपरा को आगे बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं। धालीवाल ने सबसे महत्वपूर्ण बात झांकी समितियों की आर्थिक स्थिति को लेकर कही। उन्होंने बताया कि वर्तमान परिस्थितियों में सभी मिलों की झांकी समितियां गंभीर आर्थिक तंगी